विद्या -भवन बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

वर्ग - प्रथम दिनांक - 18/09/2020

विषय - सह - शैक्षणिक गतिविधि

एनसीईआरटी पर आधारित (कहानी)

किसान और उसके आलसी बेटे

एक गाँव में एक किसान रहता था। उसके दो बेटे थे और दोनों पहले दर्जे के आलसी थे। किसान दिन भर खेतों में मेहनत करता और दोनों बेटों का भरण पोषण करता। एक दिन किसान बीमार पड़ गया।

हर तरह के इलाज के बाद भी उसकी बीमारी ठीक होने का नाम नहीं ले रही थी। वह समझ गया था कि अब वह ज्यादा दिन तक जीवित नहीं रहेगा। उसे अपने दोनों बेटों की चिंता थी कि उसके मरने के बाद उनका क्या होगा।

एक दिन लेटे-लेटे उसे एक तरकीब सूझी। उसने दोनों बेटों को बुलाकर कहा, “मैंने अंगूरों के बाग में बहुत नीचे तुम्हारे लिए खजाना दबाया हुआ है। मेरे मरने के बाद उसे खोदकर निकाल लेना।”

किसान के मरने के बाद किसान के बेटे अंगूरों के बाग में गए। उन्होंने मिलकर पूरा खेत खोद डाला पर कुछ हाथ न लगा। वे अपने पिता को कोसने लगे।

कुछ दिनों बाद बरसात हुई और उनकी अंगूरों की बेलें लहलहाने लगी। बेलें अंगूरों से लद गई थीं। अंगूर पकने पर उन्होंने उन्हें महंगे भाव से बेचा और अमीर बन गए।अब उन्हें समझ आया कि उनके पिता ने इसी खजाने के बारे में कहा था।

शिक्षा: बच्चों परिश्रम से ही सफलता मिलती है।

ज्योति